OFFICE OF THE REGISTRAR :: DIBRUGARH UNIVERSITY :: DIBRUGARH

Ref. No. DU/DR-A/Hindi Syllabus (FYUGP)/2024/ 027 Date: 08.01.2024

NOTIFICATION

As recommend by the ***126th Meeting*** of the Under Graduate Board held on 23.11.2023, the 129th Meeting of the Academic Council, Dibrugarh University held on 08.12.2023 vide ***Resolution No. 10*** has approved the minor modifications in Hindi Syllabus of FYUGP in Core Course 2 (C 2) -unit 3 with effect from 2023-2024 academic session.

The Syllabus is enclosed herewith.

Issued with due approval.

Sadiq Hussain

Deputy Registrar (Academic) *i/c*
Dibrugarh University

Copy for kind information and necessary action to:

1. The Hon'ble Vice-Chancellor i/c, Dibrugarh University.
2. The Deans, Dibrugarh University.
3. The Registrar, Dibrugarh University.
4. All the Heads and Chairpersons of the Teaching Departments and Centres of Studies, Dibrugarh University.
5. The Chairperson, Board of Studies (BoS) in Hindi, Dibrugarh University.
6. The Controller of Examinations i/c, Dibrugarh University.
7. The Inspector of Colleges, Dibrugarh University.
8. The Director, IQAC, Dibrugarh University.
9. The Joint / Deputy Controller of Examinations – 'B', 'C' & 'A', Dibrugarh University.
10. The Programmer, Dibrugarh University with a request to upload the notification in the Dibrugarh University Website.
11. File

Sadiq Hussain

Deputy Registrar (Academic) *i/c*
Dibrugarh University

Scanned with CamScanner

HINDI SYLLABUS

प्रस्तावना :

हिन्दी साहित्य के स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना के आधार पर प्रस्तुत किया गया है । इस पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार 2019 की गयी है कि इसके अध्ययन के पश्चात हिन्दी साहित्य के विद्यार्थी यह जान सके कि साहित्य का विश्लेषण कैसे किया जाये । उसकी सराहना कैसे की जाये और दिये गये पाठ को पढ़ने की समझ किस प्रकार विकसित की जाये ताकि विद्यार्थी साहित्य के उद्देश्य से भली भाँति परिचित हो सके ।

यह भी उल्लेखनीय है कि चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली में हिन्दी साहित्य के पाठ्यक्रम की बड़ी भूमिका होती है साथ ही भारत विविधताओं वाला देश है और ये विविधताएँ भाषागत भी है । यहाँ तक कि मानक हिन्दी भाषा के अंतर्गत अनेक बोलियाँ भी सम्मिलित हैं जिनका साहित्य भी हिन्दी भाषा में समृद्ध कर रहा है । इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए यह पाठ्यक्रम प्रस्तुत की गयी है । इसमें उल्लेखित पाठों के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी न केवल अपने विवेक को विकसित कर सकेगा बल्कि विश्लेषण करने में भी समर्थ हो सकेगा ।

वर्तमान समय सूचना और क्रांति का समय है । यह पाठ्यक्रम रोजगारपरक शिक्षा देने का कार्य भी करेगा ताकि इसके अध्ययन केबाद विद्यार्थी अपने जीवन का निर्वाह भली भाँति कर सके । अधिगम परिणाम आधारित शिक्षण प्रणाली में सुझाये गये पाठ्यक्रमों को यदि नवाचार की दृष्टि से लागू किया जाता है, तो यह सम्पूर्ण समाज के लिए लाभकारी सिद्ध होगा । वर्तमान समय की माँग है कि साहित्य में स्थानीयता के साथसाथ राष्ट्रीय और वैश्विक - दृष्टिकोण सम्मिलित हो और विद्यार्थियों को उसके वृहत्तर रूप से परिचित कराया जाय । इसमें वहाँ के विद्यार्थियों की रुचि भी हिन्दी साहित्य के अध्ययन हेतु बढ़ेगी । अतः महाविद्यालयों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे इन पाठ्यक्रमों को लागू करने में रुचि दिखायें और प्रोत्साहन दें ।

परिचय :

हिन्दी साहित्य के स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना (LOCF) 2019 के आधार पर प्रस्तुत किया गया है । इस पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार की गयी है कि इसके अध्ययन के पश्चात हिन्दी साहित्य के विद्यार्थी यह जान सके कि साहित्य का विश्लेषण कैसे किया जाये । उसकी सराहना कैसे की जाये और दिये गये पाठ को पढ़ने की समझ किस प्रकार विकसित की जाये ताकि विद्यार्थी साहित्य के उद्देश्य से भली भाँति परिचित हो सके ।

उद्देश्य :

हिन्दी के स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम का उद्देश्य निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करना है-

(i) विद्यार्थियों को सचेत नागरिक बनाना ।
(ii) एक कुशल वक्ता का निर्माण करना ।
(iii) समाज और समुदाय के प्रति संवेदनशील दृष्टि का विकास करना ।
(iv) राष्ट्रीय चेतना का विकास करना ।
(v) स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक के विशिष्ट साहित्य से परिचित कराना ।
(vi) भाषा संबंधी कौशल का विकास करना ।

(vii) विभिन्न साहित्यिक विधाओं की जानकारी देना ।
(viii) विश्लेषणात्मक और तार्किक दृष्टिकोण का विकास करना ।
(ix) सम्प्रेषण कौशल का विकास करना ।
(x) समूह कार्य और समय प्रबंधन के प्रति सचेत कराना ।

स्नातकीय विशेषता :

1. अनुशासनात्मक ज्ञान
• हिन्दी साहित्य की विभिन्न शैलियों, युगों एवं धाराओं की पहचान तथा उन पर चर्चा करने की क्षमता ।
• विभिन्न साहित्यिक और महत्वपूर्ण अवधारणाओं को हासिल करने की क्षमता ।
• साहित्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी और उनकी ऐतिहासिक संदर्भ जानने की क्षमता ।
• विभिन्न दृष्टिकोणों से भाषाविश्लेषण कौशल ।
• विभिन्न सिद्धांतों के आधार पर पाठ विश्लेषण और पाठ आलोचना में योग्यता ।
• सामाजिक संदर्भ में साहित्य का मूल्यांकन और विश्लेषण करने की क्षमता ।
• साहित्य पढ़ने के अलावा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भों में साहित्यिक विश्लेषण के बारे में जिज्ञासा ।

2. प्रेषणीयता
• साहित्यिक तथा अन्य विविध क्षेत्रों में हिन्दी कथन एवं लेखन कौशल का विकास ।
• आलोचनात्मक अवधारणाओं के प्रयोग कौशल का विकास ।
• सम्प्रेषण क्षमता का विकास।

3. गंभीर विचार
• विचारात्मक सोच का विकास ।
• साहित्य अध्ययन के लिए तुलनात्मक दृष्टिकोण का विकास ।

4. समस्या समाधान
• मौखिक एवं लिखित हिन्दी में आनेवाली समस्याओं का समाधान ।
• हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास से संबंधित प्रश्नों का समाधान ।
• हिन्दी भाषा के तकनीकी अनुप्रयोग से संबन्धित समस्याओं का समाधान ।

5. बहुसांस्कृतिक क्षमता
• क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर बहुसांस्कृतिक आयामों से परिचय ।

6. अनुसंधान संबंधी कौशल
• अन्वेषणमूलक दृष्टिकोण का बीज वपन ।
• अनुसंधान की मूल समस्यायों की पहचान ।
• अनुसंधान परियोजना की तैयारी का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान ।

7. सूचना डिजिटल साक्षरता
• हिन्दी साहित्य, समाचार पत्र, पत्रिका आदि जैसे विभिन्न ईस्रोत का ज्ञान ।
• हिन्दी भाषा में ईपृष्ठों, ईसामग्र-पत्रिकाओं और ई-ठियों के माध्यम से हिन्दी भाषा और साहित्य को समृद्ध और विकसित करने की क्षमता ।

8. चिंतनशील सोच
• शिक्षण और अनुभव से प्राप्त सोच के माध्यम से सामाजिक स्थिति निर्धारण करने की क्षमता ।

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (PLO) :

हिन्दी स्नातक कार्यक्रम से संबंधित परिणाम इस प्रकार हैं -

1. साहित्य सम्प्रेषण के आधार बिन्दुओं की जानकारी देना ताकि साहित्य के संबंध में एक स्पष्ट ज्ञान विकसित हो सके ।
2. हिन्दी साहित्य और भाषा के क्षेत्र में प्रमुख अवधारणाओं, सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य एवं नवीनतम रुझानों के साथ परिचित कराना ताकि साहित्यिक विकास के संबंध में पर्याप्त जानकारी मिल सके ।
3. साहित्य की विभिन्न विधाओं को पढ़ने और समझने की योग्यता को बढ़ावा देना ।
4. साहित्य लेखन की विविध शैली और समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना ।
5. स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक संस्कृति के बारे में जानकारी देना और साहित्यिक मूल्यांकन की योग्यता का विकास हो सके ।
6. आधुनिक संदर्भों में तकनीकी संसाधनों को इस्तेमाल करते हुए हिन्दी साहित्य की जानकारी देना।
7. प्रत्येक स्तर पर जीवन मूल्यों और साहित्यिक मूल्यों का निर्धारण करने की क्षमता और ज्ञान का विकास करना ।
8. विद्यार्थी लेखन, वाचन और श्रवण के साथसाथ कल्पनाशक्ति का विकास कर-ना जिससे कि उसके समग्र व्यक्तित्व में निखार आ सके।
9. हिन्दी साहित्य के अध्यायन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान और रोजगार के नये नये मार्ग तलाशने योग्य बनेगा का
10. साहित्य के अध्ययन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान करते हुए रोजगार के नए मार्ग तलाशना ।
11. भारत के साहित्यिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को जानने के प्रति जागरुकता पैदा करना ।

शिक्षण अधिगम पद्धति :

1. व्याख्यान
2. संवाद तथा बहस
3. परिवेश का सृजन
4. समकालीन साहित्य का ज्ञान
5. अध्ययन से संबन्धित पर्यटन
6. क्षेत्रीय अथवा परियोजना कार्य
7. तकनीकी का सहयोग

मूल्यांकन पद्धति :

1. गृह समनुदेशन
2. परियोजना रिपोर्ट
3. कक्षा प्रस्तुति
4. सामूहिक चर्चा
5. सत्र परीक्षा

FYUGP Structure as per UGC Credit Framework of December, 2022

Year	*Semester*	*Course*	*Title of the Course*	*Total Credit*
Year 01	*1st Semester*	*C - 1*	**हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और भक्तिकाल**	*4*
		Minor 1	**लोक साहित्य**	*4*
		GEC - 1	**पर्यटन और साहित्य**	*3*
		AEC 1	**हिन्दी भाषा और व्याकरण**	*4*
		VAC 1	*Understanding India*	*2*
		VAC 2	*Health and Wellness*	*2*

		SEC 1	मीडिया के लिए साक्षात्कार	3
				22
	2nd Semester	C - 2	हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल	4
		Minor 2	राजभाषा हिन्दी	4
		GEC 2	सृजनात्मक हिन्दी	3
		AEC 2	English Language and Communication Skills	4
		VAC 3	Environmental Science	2
		VAC 4	Yoga Education	2
		SEC 2	कम्प्यूटर अनुप्रयोग	3
				22
The students on exit shall be awarded Undergraduate Certificate (in the Field of Study/Discipline) after securing the requisite 44 Credits in Semester 1 and 2 provided they secure 4 credits in work based vocational courses offered during summer term or internship / Apprenticeship in addition to 6 credits from skill based courses earned during 1st and 2nd Semester				
Year 02	3rd Semester	C - 3	हिन्दी साहित्य : भारतेन्दु से छायावादी कविता तक	4
		C - 4	हिन्दी साहित्य : प्रगतिवाद से 20 वीं शताब्दी तक	4
		Minor 3	स्थानीय भाषा के साहित्य का देवनागरी लिपि में अध्ययन	4
		GEC – 3	साहित्य और सिनेमा	3
		VAC 3	Digital and Technological Solutions / Digital Fluency	2
		AEC – 3	Communicative English / Mathematical Ability	2
		SEC – 3	अनुवाद कौशल	3
				22
	4th Semester	C - 5		4
		C - 6		4
		C - 7		4
		C - 8		4
		Minor 4		4
			Community Engagement (NCC /NSS /Adult Education /Student mentoring / NGO /Govt. Institutions, etc)	2
				22
Grand Total (Semester I, II, III and IV)				**88**
The students on exit shall be awarded Undergraduate Diploma (in the Field of Study/Discipline) after securing the requisite 88 Credits on completion of Semester IV provided they secure additional 4 credit in skill based vocational courses offered during First Year or Second Year summer term				
Year 03	5th Semester	C – 9		4
		C – 10		4
		C – 11		4
		C – 12		4
		Minor 5		4
			Internship	2
				22
	6th Semester	C – 13		4
		C – 14		4
		C – 15		4
		C – 16		4
		Minor – 6		4
			Project	2
			Total	22
Grand Total (Semester I, II, III and IV, V and VI)				**132**
The students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Study/Discipline) Honours (3 years) after securing the requisite 132 Credits on completion of Semester 6				
Year 04	7th Semester	C – 17		4
		C – 18		4
		C – 19		4
		Minor – 7		4
			Research Ethics and Methodology	4
			Research Project – I (Development of Project / Research Proposal and Review of Related literature) / DSE Course in lieu of Research Project	2
				22
	8th Semester	C – 20		4
		C – 21		4
		C – 22		4
		Minor – 8		4
			Dissertation (Collection of Data, Analysis and Preparation of Report) / 2 DSE	6

			Courses of 3 credits each in lieu of Dissertation	
				22
Grand Total (Semester I, II, III and IV, V, VI, VII and VIII)				176
The students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Study/Discipline) (Honours with Research)(4 years) after securing the requisite 176 Credits on completion of Semester 8				

SEMESTER I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्च)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 1 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 80 + **IA –** 20)

Title of the Course : हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और भक्तिकाल
Course Code : **HINC1**
Nature of the Course : **Major**
Total Credits : **4**
Distribution of Marks : **80 (End Sem) + 20 (In-Sem)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचय होना जरूरी है । हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन, नामकरण और आदिकालीन साहित्य से परिचय जब तक नहीं होगा, तब तक विद्यार्थियों का ज्ञान अधूरा माना जाएगा । उसी तरह हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग कहा जाने वाला भक्तिकाल के प्रमुख कवियों कबीर, जायसी, सूर और तुलसी के साहित्य के बारे में भी जानना जरूरी है । इसे ध्यान में रखते हुए इस पत्र को पाठ्यक्रम में रखा गया है ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी की सही दिशा, दशा का पता चल सके ।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (20 Marks)	हिन्दी साहित्य के इतिहास का इतिहास : ▶ हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन की परंपरा ▶ कालविभाजन ▶ नामकरण की समस्या	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (20 Marks)	आदिकालीन साहित्य : ▶ आदिकालीन परिस्थितियाँ ▶ आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ ▶ आदिकालीन साहित्य की विविध धाराएँ - सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक साहित्य ▶ अमीर खुसरो, विद्यापति (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (20	भक्तिकालीन साहित्य : ▶ भक्तिकाल की पृष्ठभूमि/परिस्थितियाँ ▶ हिन्दी साहित्य में भक्ति का उदय और	**10**	**01**	**-**	**11**

Marks)	विकास ▶ स्वर्णयुग ▶ भक्तिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ				
4 (20 Marks)	भक्तिकालीन काव्यधारा : ▶ सगुण भक्ति काव्य की विशेषताएँ ▶ रामभक्ति काव्य एवं कृष्ण भक्तिकाव्य (प्रमुख कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ) ▶ निर्गुण भक्ति काव्य की विशेषताएँ ▶ संत-काव्य एवं सूफी-काव्य (प्रमुख कवि एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ)	**10**	**01**	**-**	**11**
	Total	**40**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT:

(20 Marks)

- **One Internal Examination - 10 Marks**
- **Others (Any one) - 10 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**

अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के पश्चात विद्यार्थी -

- हिन्दी साहित्य के प्रारम्भिक और विकासात्मक स्वरूप से परिचित होंगे ।
- हिसनी साहित्य के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगे ।
- हिन्दी के भावगत, भाषागत और शैलीगत विकास से परिचित होंगे ।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र एवं डॉ. हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबू गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, आगरा ।

****

SEMISTER – I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्च)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – MN – 1 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 80 + **IA –** 20)

Title of the Course : लोक साहित्य
Course Code : **MINHIN1**
Nature of the Course : **Minor**
Total Credits : **4**
Distribution of Marks : **80 (End Sem) + 20 (In-Sem)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य **:**

लोक साहित्य लोक जीवन की अभिव्यक्ति है । किसी समाज के पुरातन रूप को झांक कर देख लेने का उत्तम साधन लोक साहित्य है । लोक साहित्य के द्वारा ही युग-युग की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों का परिचय मिलता है । एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचने वाले लोक साहित्य की परम्पराएँ आज हम तक पहुंची है । अतः विद्यार्थियों को इस परंपरा को वर्तमान संदर्भ से जोड़कर उसमें परस्पर समन्वय स्थापित कर अध्ययन करना परम आवश्यक है ताकि हमारे पुरखों की परम्पराएँ केवल सांस्कृतिक धरोहर तथा बीते हुए कल की आवाज मात्र न रहकर युग-युग तक जीवन्त सर्जना बनकर रहे ।

इकाई	विषय सूची	**L**	**T**	**P**	**Total Hours**
1 (20 Marks)	▶ लोक साहित्य : परिभाषा, स्वरूप, महत्व ▶ लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (20 Marks)	▶ लोक साहित्य संकलन : उद्देश्य, संकलन की पद्धतियाँ ▶ लोक साहित्य संकलन की समस्या और समाधान	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (20 Marks)	▶ लोक साहित्य की विविध विधाएँ – लोकगीत, लोक कथा, लोकगाथा, लोक नाट्य	**10**	**01**	**-**	**11**
4 (20 Marks)	▶ असमीया लोक साहित्य : सामान्य परिचय ▶ लोकगीत : बिहु गीत, निसुकनी गीत, कामरूपी और गोवालपरीया ▶ लोककथा : तेजीमला ▶ डाक प्रवचन	**10**	**01**	**-**	**11**
	Total	**40**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT:

(20 Marks)

- **One Internal Examination - 10 Marks**
- **Others (Any one) - 10 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**

अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के पश्चात विद्यार्थी -

- वर्तमान वैश्वीकरण के युग में लोक साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थी अपने अंचल विशेष के प्रभावी रूप से लेकर वैश्विक संदर्भ से जुड़ सकेंगे ।

- लोक साहित्य की भाव गंभीरता, सांस्कृतिक रूप और सहज अभिव्यक्ति का परिचय प्राप्त करेंगे ।

सहायक ग्रंथ :

1. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद ।
2. लोक साहित्य सिद्धान्त और प्रयोग : डॉ. श्रीराम शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
3. असमीया लोक समाज में डाक प्रवचन : डॉ. जोनाली बरुवा, नर्मदा प्रकाशन, लखनऊ ।

****

SEMESTER I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्च)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – GEC – 1 (CREDIT – 3) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 80 + **IA –** 20)

Title of the Course : पर्यटन और साहित्य
Course Code : **GECHIN1**
Nature of the Course : **Generic Elective Course**
Total Credits : **3**
Distribution of Marks : **80 (End Sem) + 20 (In-Sem)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य **:**

1. पर्यटन को विकसित करना एवं बढ़ावा देना ।
2. विश्व के महत्वपूर्ण देशों के साथ परिचय कराना ।
3. भारत में महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों का परिचय कराना ।

इकाई	विषय सूची	**L**	**T**	**P**	**Total Hours**
1 (20 Marks)	▶ पर्यटन का अर्थ, उद्देश्य एवं महत्व ▶ पर्यटन की दृष्टि से विश्व के महत्वपूर्ण देश (स्पेन, जर्मनी, इटली, जापान, अमेरिका)	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (20 Marks)	▶ भारत में पर्यटन के महत्वपूर्ण स्थल (दिल्ली, आगरा, जयपुर, दार्जिलिंग, कन्याकुमारी, कोलकाता, वाराणसी) ▶ असम के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल (गुवाहाटी, बरपेटा, शिवशगर, काजिरंगा राष्ट्रीय उद्यान, बरदोवा)	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (20 Marks)	▶ पर्यटन में चिन्हित साहित्यिक स्थल, जहाँ भारतीय एवं हिन्दी साहित्य के निर्माताओं का कार्यस्थल रहे हैं (इलाहाबाद, वाराणसी, कोलकाता, तेजपुर, दिल्ली)	**10**	**01**	**-**	**11**
4	▶ पर्यटन की दृष्टि से प्रकाशित प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ (अतुल्य भारत, प्रणाम पर्यटन, भारतीय	**10**	**01**	**-**	**11**

(20 Marks)	रेल) ▶ पर्यटन की दृष्टि से प्रकाशित यात्रा-वृतांत : ▶ परशुराम में तुरखम (अज्ञेय) ▶ तिब्बत में प्रवेश (राहुल सांकृत्यायन)				
	Total	**40**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT:

(20 Marks)

- **One Internal Examination - 10 Marks**
- **Others (Any one) - 10 Marks**
    - **Group Discussion**
    - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
    - **Debate**

अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी -

- पर्यटन के बारे में जान सकेंगे ।
- ऐतिहासिक-सांस्कृतिक और प्राचीनतम शिक्षण संस्थाओं के बारे में जान सकेंगे ।
- महान साहित्यकारों के जन्म स्थलों, कर्म स्थलों आदि के बारे में जान सकेंगे ।

सहायक ग्रंथ :

1. ऐतिहासिक पर्यटन : डॉ. शिव चन्द्र सिंह रावत, डॉ. मनोज कुमार उनियाल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
2. भारत के पर्यटन स्थल : नीरज त्यागी, गौरव बूक सेंटर, नयी दिल्ली ।
3. पर्यटन सिद्धान्त और प्रबंधन : शिव स्वरूप सहाय, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. भारत में पर्यटन : राजेश कुमार व्यास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।

****

SEMESTER I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्च)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – AEC – 1 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 80 + **IA –** 20)

Title of the Course : हिन्दी भाषा और व्याकरण

Course Code : AECHIN1

Nature of the Course : Ability Enhancement Course

Total Credits : 4

Distribution of Marks : 80 (End Sem) + 20 (In-Sem)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य **:**

भाषा हमारे जीवन का अभिन्न अंग है । इसके द्वारा ही हम अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं । भाषा के बिना मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है । जीवित प्राणियों में एक मनुष्य ही ऐसा है जो अपनी भाषा को संरक्षित रखा है । मनुष्यों में भी

अलग-अलग देशों, प्रदेशों और प्रदेशों में भी अलग-अलग क्षेत्रों की अपनी भाषा होती है । भाषा जगत के कार्य-व्यापार एवं व्यवहार का मूल है । इस पत्र में भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डाला गया है । व्यक्ति जब भाषा का प्रयोग करता है तो उसे कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जैसे - उच्चारण की समस्या, लिंग निर्धारण की समस्या, वाक्यों के गठन, सम्प्रेषण आदि । इसी बात को ध्यान में रखकर इसे पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है ।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (20 Marks)	▶ भाषा की परिभाषा – प्रकृति एवं विविध रूप ▶ हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास ▶ हिन्दी भाषा की विशेषताएँ ।	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (20 Marks)	▶ हिन्दी की वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन, प्रकार एवं प्रयोग, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष, अघोष ।	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (20 Marks)	▶ शब्द व्यवहार : संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, कारक ▸ शब्दस्रोत : तत्सम, उद्भव, देशज, विदेशज/आगत ।	**10**	**01**	**-**	**11**
4 (20 Marks)	▸ वाक्य व्यवस्था : वाक्य, उपवाक्य, स्वरूप एवं भेद । ▸ पत्र लेखन : औपचारिक एवं अनौपचारिक । ▸ विलोम शब्द एवं पर्यायवाची शब्द ।	**10**	**01**	**-**	**11**
	Total	**40**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (20 Marks)

- **One Internal Examination - 10 Marks**
- **Others (Any one) - 10 Marks**
    - **Group Discussion**
    - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
    - **Debate**

अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी -

- भाषा प्रकृति एवं विविध रूप का ज्ञान पप्त होगा ।
- भारत को एक सूत्र में बांधने वाली हिन्दी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास से परिचित हो सकेंगे ।
- हिन्दी भाषा की शारीरिक इकाइयों वर्ण, शब्द, वाक्य आदि का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा ।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना ।
2. हिन्दी भाषा : डॉ. हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. हिन्दी भाषा, व्याकरण और रचना : अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

4. हिन्दी व्याकरण एवं सम्प्रेषण : डॉ. अलका वशिष्ठ, अजय गोयल, डॉ. नवकान्त दास, डॉ. मनोज कुमार कलिता, साहित्य सरोवर, आगरा ।

****

SEMISTER – I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्च)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – SEC – 1 (CREDIT – 3) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 80 + **IA –** 20)

Title of the Course : मीडिया के लिए साक्षात्कार
Course Code : **SECHIN1**
Nature of the Course : **Skill Enhancement Course**
Total Credits : **3**
Distribution of Marks : **80 (End Sem) + 20 (In-Sem)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य **:**

साक्षात्कार मीडिया संकलन का एक प्रभावी तरीका है । एक तरह से मीडिया साक्षात्कार पर ही आधारित है । इसका उपयोग विशिष्ट प्रकार के मीडिया के लिए विशेष रूप में प्रयोग किया जाता है । वर्तमान समय में मीडिया की उपयोगिता, महत्व एवं भूमिका निरंतर बढ़ती जा रही है । प्रिंटिंग प्रेस, पत्रकारिता, इलेक्ट्रानिक माध्यम, रेडियो, सिनेमा, इन्टरनेट आदि सूचना के माध्यम आज के जीवन का एक अपरिहार्य आवश्यकता बन गया है । मीडिया आज रोजगार का सफल माध्यम साबित हो रहा है, ऐसी परिस्थिति में इस विषय को पाठ्यक्रम में रखना आवश्यक प्रतीत होता है ।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (20 Marks)	▶ मीडिया एवं साक्षात्कार का स्वरूप ▶ मीडिया में साक्षात्कार का महत्व	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (20 Marks)	मीडिया में साक्षात्कार के प्रकार : ▶ टी. वी. ▶ रेडियो ▶ समाचार पत्र ▶ सोशल मीडिया	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (20 Marks)	▶ मीडिया में साक्षात्कार की प्रविधि ▶ अच्छे साक्षात्कारक के गुण	**10**	**01**	**-**	**11**
4 (20 Marks)	व्यावहारिक : (**Practical)** ▶ साहित्य एवं समाज के साथ जुड़े आंचलिक अथवा स्थानीय विशिष्ट व्यक्तियों का साक्षात्कार ग्रहण	**10**	**01**	**-**	**11**
	Total	**40**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (20 Marks)

- **One Internal Examination - 10 Marks**
- **Others (Any one) - 10 Marks**
    - **Group Discussion**
    - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
    - **Debate**

अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी -

- विद्यार्थी साक्षात्कार लेने की कला से परिचित होंगे ।
- वे भेंटवार्ताओं के बारे में भी जान सकेंगे ।

सहायक ग्रंथ :

1. इलेक्ट्रानिक मीडिया भाषा लेखन कला तथा तकनीकी प्रविधि : डॉ. माया सगरे लक्का, विकास प्रकाशन, कानपुर ।
2. इलेक्टानिक मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी : डॉ. यू. सी. गुप्ता, अर्जुन, पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
3. इलेक्ट्रानिक मीडिया : डी. एस. आलोक ।
4. भारत में प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और न्यू मीडिया : संदीप कुलश्रेष्ठ, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

****

SEMISTER – II

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्च)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 3 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 80 + **IA –** 20)

Title of the Course : हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल
Course Code : **HINC2**
Nature of the Course : **Major**
Total Credits : **4**
Distribution of Marks : **80 (End Sem) + 20 (In-Sem)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य **:**

हिन्दी साहित्य का रीतिकाल समय 1650 ई. से 1850 ई. तक माना जाता है जिसका उदय का कारण जनता की रुचि नहीं, बल्कि आश्रय दाताओं की रुचि थी । रीतिकालीन काव्य में लक्षण ग्रंथ, शृंगारिकता, नायिका भेद, अलंकार आदि की जो प्रवृत्तियाँ मिलती है उसकी परंपरा संस्कृत साहित्य से चली आ रही थी । इस काव्य की शृंगारी प्रवृत्तियों की पुरानी परंपरा के स्पष्ट संकेत संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, फारसी और हिन्दी के आदिकाव्य तथा कृष्णकाव्य की शृंगारिक प्रवृत्तियों में मिलती है । अतः इस काल के विषय में सम्यक अनुशीलन करने तथा जानकारी हासिल करना ही इस पत्र का मुख्य उद्देश्य है ।

इकाई	विषय सूची	**L**	**T**	**P**	**Total Hours**
1	▸ रीतिकाल का नामकरण ▸ रीतिकालीन परिस्थितियाँ	**10**	**01**	**-**	**11**

(20 Marks)	▸ हिन्दी रीतिकाव्य के मूल प्रेरणा स्रोत				
2 (20 Marks)	▸ रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ▸ रीति कवि का रीति निरूपण ▸ हिन्दी के रीति ग्रन्थों की परंपरा और आचार्य केशवदास	10	01	-	11
3 (20 Marks)	रीतिकालीन काव्यधारा : ▸ रीतिबद्ध ▸ रीतिसिद्ध ▸ रीतिमुक्त	10	01	-	11
4 (20 Marks)	▸ रीतिकाल के प्रमुख कवि एवं उनकी काव्यगत विशेषताएँ ▸ बिहारी ▸ देव ▸ भूषण ▸ घनानन्द	10	01	-	11
	Total	**40**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (20 Marks)

- **One Internal Examination - 10 Marks**
- **Others (Any one) - 10 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**

अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी -

- भारत की 17 वीं से 19 वीं शताब्दी के मध्य के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य आदि का ज्ञान प्राप्त होगा ।
- रीतिकालीन साहित्यकार और उनकी रचनाओं से वे परिचित हो सकेंगे ।
- रीतिकालीन साहित्य का भावात्मक और राजसत्तात्मक प्रभाव का ज्ञान प्राप्त होगा ।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र एवं डॉ. हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबू गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, आगरा ।

****

SEMISTER – II

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्च)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – MN – 2 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 80 + **IA –** 20)

Title of the Course : राजभाषा हिन्दी

Course Code : **MINHIN2**

Nature of the Course : **Minor**

Total Credits : **4**

Distribution of Marks : **80 (End Sem) + 20 (In-Sem)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य **:**

भारतीय संविधान में हिन्दी को राजभाषा का गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त होने के कारण हिन्दी का प्रयोजनमूलक रूप अत्यधिक उपयोगी तथा सक्रिय होने के साथ उसके प्रगामी प्रयोग की अनेक दिशाएँ उद्‌घाटित हुई है । अतः राजभाषा हिन्दी के बारे में भारत के संविधान तथा उसके प्रावधान के अंतर्गत निर्मित अधिनियमों, राष्ट्रपति आदेशों तथा अन्य कानूनी प्रावधानों के बारे में विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्त होना आवश्यक हो जाता है । इसी बात को ध्यान में रखकर इसे पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है ।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (20 Marks)	▸ हिन्दी भाषा के विविध रूप : बोली, भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, माध्यम भाषा ▸ राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (20 Marks)	राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति : ▸ संघ की राजभाषा (343), राजभाषा के लिए संसद का आयोग और समिति (344), राज्य की राजभाषा या राजभाषाएँ (345), भाषा संबंधी विधियों को अधिनियमित करने के लिए विशेष प्रक्रिया (349), विशेष निदेश (350), हिन्दी भाषा के विकास के लिए निदेश (351) ▸ संविधान में राजभाषा प्रावधान की विशिष्टताएँ	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (20 Marks)	▸ राजभाषा आयोग – 1955 ▸ राजभाषा अधिनियम 1963 ▸ राजभाषा संकल्प 1968 ▸ राजभाषा नियम 1976	**10**	**01**	**-**	**11**
4 (20 Marks)	▸ हिन्दी के प्रयोग संबंधी राष्ट्रपति के आदेश – 1952 , 1955, 1960 ▸ राजभाषा हिन्दी के विकास की विविध दिशाएँ, उपलब्धियाँ ▸ वर्तमान समय में राजभाषा हिन्दी की स्थिति और अपेक्षा	**10**	**01**	**-**	**11**
	Total	**40**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (20 Marks)

- **One Internal Examination - 10 Marks**
- **Others (Any one) - 10 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**

अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी -

- संविधान के 343 से 351 तक के अनुच्छेदों में संकेतित हिन्दी प्रयोग की व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त होगा ।

सहायक ग्रंथ :

1. कार्यालयी हिन्दी : डॉ. विजयपाल सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग : दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी के नए आयाम : डॉ. पंडित बन्ने, अमन प्रकाशन, कानपुर ।

****

SEMISTER – II

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्च)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – GEC – 2 (CREDIT – 3) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 80 + **IA –** 20)

Title of the Course : सृजनात्मक लेखन
Course Code : **GECHIN2**
Nature of the Course : **Generic Elective Course**
Total Credits : **3**
Distribution of Marks : **80 (End Sem) + 20 (In-Sem)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य **:**

सृजनात्मक लेखन विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम है । इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी की प्रतिभा में निखारता आयेगी तथा उनकी कल्पनाशक्ति अधिक विकसित होगी । उन्हें कला, साहित्य, विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में मौलिक उपस्थापना करने में शक्ति मिलेगी । विद्यार्थियों का मानसिक विकास होगा और काव्य, कहानी, उपन्यास, लघु कथा, फिल्म आदि विधाओं में नवीनता लाने में प्रेरणा एवं सुविधा होगी । ।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (20 Marks)	▸ सृजन की अवधारणा : सृजन और सर्जक, सृजन और कल्पना, सृजन और बिम्ब, सृजन और विचारधाराएँ ▸ सृजनात्मकता का अर्थ और परिभाषा	**10**	**01**	**-**	**11**

	▸ सृजनात्मक लेखन की परिभाषा, स्वरूप, महत्व एवं उद्देश्य				
2 (20 Marks)	सृजनात्मक लेखन के विविध रूप : ▸ कहानी लेखन ▸ लघु कथा लेखन ▸ उपन्यास लेखन	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (20 Marks)	▸ काव्य लेखन ▸ एकांकी एवं प्रहसन लेखन	**10**	**01**	**-**	**11**
4 (20 Marks)	▸ धारावाहिक लेखन ▸ फिल्म संवाद लेखन ▸ कार्टून	**10**	**01**	**-**	**11**
	Total	**40**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (20 Marks)

- **One Internal Examination - 10 Marks**
- **Others (Any one) - 10 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**

अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी -

- सृजन के विविध स्वरूपों का विद्यार्थियों के लिए जीवनोपयोगी होगा ।

सहायक ग्रंथ :

1. रचनात्मक लेखन : स. रमेश गौतम,
2. रचनात्मक लेखन : हरीश अरोड़ा, अनिल कुमार सिंग,
3. सृजनात्मक लेखन : राजेंद्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. संचार भाषा हिन्दी : सूर्यप्रसाद दीक्षित, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. लेखन कला एक परिचय : मधु धवन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

****

SEMESTER – II

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्च)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – SEC – 2 (CREDIT – 3) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 80 + **IA –** 20)

Title of the Course : कम्प्यूटर अनुप्रयोग

Course Code : **SECHIN**2

Nature of the Course : **Skill Enhancement Course**

Total Credits : 3
Distribution of Marks : 80 (End Sem) + 20 (In-Sem)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

आधुनिक युग सूचना और प्रौद्योगिकी का युग है, जिसमें कम्प्यूटर, इन्टरनेट, ई-मेल, सॉफ्टवेर, वैबसाइट आदि का उपयोग अनिवार्य हो गया है । अतः हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर का प्रौद्योगिकी का ज्ञान होना भी आज के विद्यार्थियों के लिए परम आवश्यक हो गया है । इसे ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत पाठ्यक्रम बनाया गया है । इस पत्र को पढ़ने से सरकारी कार्यालयों में कामकाज करने में आसानी होगी ।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (20 Marks)	▸ कम्प्यूटर में हिन्दी का आगमन ▸ कम्प्यूटर में देवनागरी का प्रयोग एवं उपयोगिता	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (20 Marks)	▸ ईमेल, देवनागरी लिपि में ईमेल का प्रयोग ▸ कम्प्यूटर में हिन्दी : सुविधाएँ, चुनौतियाँ और भविष्य	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (20 Marks)	व्यावहारिक (**Practical)** ▸ कम्प्यूटर में देवनागरी लिपि टंकण	**10**	**01**	**-**	**11**
4 (20 Marks)	व्यावहारिक (**Practical)** ▸ हिन्दी वेबपेज निर्माण	**10**	**01**	**-**	**11**
	Total	**40**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (20 Marks)

- **One Internal Examination - 10 Marks**
- **Others (Any one) - 10 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**

अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी -

- कम्प्यूटर पर देवनागरी लिपि में टाइप करना सीख सकेंगे ।
- हिन्दी में वेब पेज बनना सीख सकेंगे ।
- हिन्दी में ई मेल पर संदेश भेजना सीख सकेंगे ।
- हिन्दी सॉफ्टवेर से परिचय हो सकेंगे ।

सहायक ग्रंथ :

1. कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतीकरण और भाषा सिद्धान्त : पी. के. शर्मा, डायनामिक पब्लिकेशन, नयी दिल्ली ।

****

SEMESTER – III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्च)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 3 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 80 + **IA –** 20)

Title of the Course : हिन्दी साहित्य : भारतेन्दु से छायावादी कविता तक

Course Code : **HINC3**

Nature of the Course : **Major**

Total Credits : **4**

Distribution of Marks : **80 (End Sem) + 20 (In-Sem)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचय होना जरूरी है । इस पाठ के तीन खंड होंगे – भारतेन्दु युगीन कविता, द्विवेदी युगीन कविता और छायावादी कविता । हिन्दी की साहित्यिक गतिविधियों की विकास-यात्रा में विभिन्न पड़ावों को जाने बिना उसका मूल्यांकन करना संभव नहीं है । इसे ध्यान में रखते हुए इस पाठ्यक्रम को प्रस्तुत किया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की सही दिशा एवं दशा का पता चल सके ।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (20 Marks)	▸ भारतेन्दु पूर्व काव्यधारा (पीठिका) ▸ भारतेन्दु युगीन परिस्थितियाँ (राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, साहित्यिक) ▸ भारतीय राष्ट्रीय नवचेतना : सांस्कृतिक जागरण	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (20 Marks)	▸ भारतेन्दु युगीन काव्यधारा : सामाजिक चेतना, भक्ति भावना, राष्ट्रीय चेतना, समस्या पूर्ति ▸ भारतेन्दु युगीन प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ (भारतेन्दु, बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन', प्रताप नारायण मिश्र, जगमोहन सिंह, अम्बिकादत्त व्यास, राधाकृष्ण दास)	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (20 Marks)	▸ द्विवेदी युगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ▸ द्विवेदी युगीन प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ (महावीर प्रसाद द्विवेदी, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', मैथिलीशरण गुप्त, रामनरेश त्रिपाठी)	**10**	**01**	**-**	**11**
4 (20 Marks)	▸ छायावाद : परिभाषा और स्वरूप, नामकरण ▸ छायावादी काव्य की विशेषताएँ ▸ छायावादी कवि और उनकी रचनाएँ (जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा)	**10**	**01**	**-**	**11**
	Total	**40**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (20 Marks)

- **One Internal Examination - 10 Marks**

- **Others (Any one) - 10 Marks**
    - **Group Discussion**
    - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
    - **Debate**

अधिगम परिणाम :
इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी -

- भारतेन्दु से छायावाद तक के काल की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक स्थितियों एवं परिवेश से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे ।
- राष्ट्रीय नवजागरण के परिदृश्य से परिचित हो सकेंगे ।
- छायावादी काव्य संवेदना और अभिव्यक्ति सौन्दर्य से परिचित हो सकेंगे ।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र एवं डॉ. हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबू गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, आगरा ।

****

SEMESTER – III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्च)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 4 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 80 + **IA –** 20)

Title of the Course	:	हिन्दी साहित्य : प्रगतिवाद से 20 वीं शताब्दी तक
Course Code	:	**HINC4**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**80 (End Sem) + 20 (In-Sem)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य **:**

हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचय होना जरूरी है । 20 वीं शताब्दी भारत के लिए उथल-पुथल का समय रहा है जिसमें प्रत्येक क्षेत्र में बदलाव देखने को मिलता है । साहित्यिक दृष्टि से इस युग में जितना परिवर्तन हुआ उतना पिछले सौ वर्षों में भी नहीं हुआ था । आजादी की लड़ाई और आजादी के बाद राजनीति से मोहभंग, राजनीतिक दासता, पूंजीवाद और सामंतवाद के प्रति विद्रोही स्वर और रूस में प्रतिष्ठित साम्यवाद और पश्चिमी देशों में फैलता उसका प्रभाव इस युग की कविताओं में देखने को मिलती है । साहित्य में होने वाले ऐसे परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए इस पत्र को पाठ्यक्रम में रखा गया है ।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (20 Marks)	▸ छायावादोत्तर काव्य परिदृश्य ▸ छायावादोत्तर कविता की भूमिका ▸ छायावादोत्तर कविता में यथार्थ दृष्टि के उदय का स्वरूप (निराला की यथार्थ दृष्टि सम्पन्न कविताएं, पंत का उत्तर छायावादी काव्य)	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (20 Marks)	▸ छायावादोत्तर काव्यधारा : प्रवृत्तियाँ ▸ छायावादोत्तर राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ (माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', रामधारी सिंह 'दिनकर') ▸ छायावादोत्तर प्रेम और मस्ती का काव्य और प्रमुख कवि (हरिवंशराय बच्चन, भगवतीचरण वर्मा, रामेश्वर शुक्ल 'अंचल')	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (20 Marks)	▸ प्रगतिवादी काव्यधारा एवं प्रमुख कवि (केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन, शिवमंगल सिंह 'सुमन') ▸ निराला के काव्य में प्रगतिवाद ▸ प्रयोगवादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ ▸ 'तारसप्तक' के कवि	**10**	**01**	**-**	**11**
4 (20 Marks)	▸ नयी कविता : ऐतिहासिक परिदृश्य ▸ नयी कविता की प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि (धर्मवीर भारती, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, केदान नाथ सिंह) ▸ समकालीन या साठोत्तरी कविता और प्रमुख कवि (दुष्यंत कुमार, धूमिल, लीलाधर जुगड़ी) ▸ नयी कविता और साठोत्तरी कविता	**10**	**01**	**-**	**11**
	Total	**40**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (20 Marks)

- **One Internal Examination - 10 Marks**
- **Others (Any one) - 10 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**

अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी -

- प्रगतिशील चेतना का वैचारिक आधार और अभिप्राय स्पष्ट रूप से जान सकेंगे ।
- प्रयोगववादी काव्य की रचनात्मक प्राथमिकताओं, भावबोध और भाषा को समझ सकेंगे । समकालीन कविता के युगबोध को वस्तुगत सामाजिक आर्थिक परिप्रेक्ष्य सहित समझ सकेंगे
- वैश्वीकरण और भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य और चुनौतियों को समझने का आधार मिलेगा ।
- आख्यानों की आधुनिकता से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे ।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र एवं डॉ. हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. नयी कविता : सीमाएं और संभावनाएँ : गिरिजाकुमार माथुर,
5. छायावादोत्तर कविता : डॉ. मनोज कुमार कलिता एवं अमृत चन्द्र कलिता, साहित्य सरोवर, आगरा ।

****

SEMESTER – III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्च)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – MN – 3 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 80 + **IA –** 20)

Title of the Course : स्थानीय भाषा के साहित्य का देवनागरी लिपि में अध्ययन
Course Code : **MINHIN**3
Nature of the Course : **Minor**
Total Credits : **4**
Distribution of Marks : **80 (End Sem) + 20 (In-Sem)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य **:**

असम के विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययन करने वाले हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के साथ-साथ असमीया साहित्य के इतिहास से परिचय होना जरूरी है । असमीया साहित्य के प्राचीन कवि शंकरदेव, माधवदेव आदि की रचनाओं से परिचय जब तक नहीं होगा, तब तक विद्यार्थियों का ज्ञान अधूरा माना जाएगा । असमीया साहित्य के प्रमुख आधुनिक साहित्यकार नलिनीबाला देवी, देवकान्त बरुवा, डॉ. नगेन शइकीया, मामणि रायसम गोस्वामी, भवेन्द्रनाथ शइकीया आदि के साहित्य के बारे में भी जानना जरूरी है । इसे ध्यान में रखते हुए इस पत्र को पाठ्यक्रम में रखा गया है ।

पाठ्यपुस्तक : असमीया साहित्य मंजरी : (स.) डॉ. जोनाली बरुवा, **अमृत चन्द्र कलिता**, **डॉ. मनोज कुमार कलिता ।**

इकाई	विषय सूची	**L**	**T**	**P**	**Total Hours**
1 (20 Marks)	प्राचीन और आधुनिक कविता : ▸ पावे परि हरि करहो कातरि, गोपाले कि गति कोइले (शंकरदेव) ▸ कोटोरा खेलाई हरि ए, परभाते श्यामकानू धेनु लोइया संगे (माधवदेव) ▸ परम तृष्णा (नलिनीबाला देवी) ▸ मोर देश मानुहर देश (देवकान्त बरुवा)	**10**	**01**	**-**	**11**

2 (20 Marks)	नाटक : ▸ रुक्मिणी हरण (शंकरदेव)	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (20 Marks)	कहानी : ▸ स्टाफ फटोग्राफारर छवि (नगेन शइकीया) ▸ युद्ध (मामणि रयसम गोस्वामी) ▸ गह्वर (भवेन्द्रनाथ शइकीया)	**10**	**01**	**-**	**11**
4 (20 Marks)	निबंध : ▸ भावीकालर संस्कृति (ज्योतिप्रसाद आगरवाला) ▸ जार्मेनीर ज्ञान साधना (कृष्णकान्त सन्दिकै) ▸ जीवनर अमिया (सत्यनाथ बरा)	**10**	**01**	**-**	**11**
	Total	**40**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (20 Marks)

- **One Internal Examination - 10 Marks**
- **Others (Any one) - 10 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**

अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी -

- असमीया साहित्य से परिचित होंगे ।
- असमीया भाषा के इतिहास को भी जान सकेंगे ।

सहायक ग्रंथ :

1. असमीया साहित्यर समीक्षात्मक इतिवृत्त : डॉ. सत्येन्द्रनाथ शर्मा, सौमर प्रकाशन, गुवाहाटी ।
2. आधुनिक असमीया साहित्यर अभिलेख : सं. अध्यापक नगेन शइकीया, असम साहित्य सभा, जोरहाट ।

****

SEMESTER – III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्च)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – GEC – 3 (CREDIT – 3) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 80 + **IA –** 20)

Title of the Course : साहित्य और सिनेमा
Course Code : **GECHIN**3
Nature of the Course : **Generic Elective Course**
Total Credits : **3**
Distribution of Marks : **80 (End Sem) + 20 (In-Sem)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

भारतीय सिनेमा की शुरुआत सन् 1913 से मानी जाती है । सिनेमा समाज को वैचारिक रूप से मजबूती भी प्रदान करता है । सबसे लोकप्रिय कला माध्यम के रूप में हम सिनेमा को देखते हैं । फिल्में समाज और समय का जीवन्त दस्तावेज़ होती है । सिनेमा रोजगार का एक माध्यम भी बन गया है । अतः इस पत्र का प्रमुख उद्देश्य हिन्दी के विद्यार्थियों के माध्यम से भारतीय समाज में अपनी संस्कृति और देश के प्रति अनुराग का भाव जगाना है ।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (20 Marks)	▸ साहित्य की परिभाषा एवं महत्व ▸ साहित्य की विधाएँ : कहानी, उपन्यास, नाटक ▸ साहित्य के उपकरण : भाव, कल्पना, बुद्धि एवं शैली	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (20 Marks)	▸ सिनेमा परिभाषा एवं उद्देश्य ▸ फिल्मों के प्रकार : फीचर फिल्म, डाक्यूमेंट्री फिल्म, टेली फिल्म, एनीमेशन फिल्म, कार्टून फिल्म ▸ हिन्दी सिनेमा का इतिहास	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (20 Marks)	▸ साहित्य और सिनेमा में समानता एवं अंतर ▸ प्रमुख हिन्दी साहित्यकारों की कृतियाँ और उन पर बनी फिल्में (कमलेश्वर (काली आँधी), यशपाल (झूठा सच), कृष्ण सोबती (जिन्दगीनामा), फणीश्वरनाथ रेणु (तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम)	**10**	**01**	**-**	**11**
4 (20 Marks)	▸ हिन्दी भाषा से इतर भाषाओं की सिनेमा का परिचयात्मक इतिहास : असमीया सिनेमा और बांग्ला सिनेमा	**10**	**01**	**-**	**11**
	Total	**40**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (20 Marks)

- **One Internal Examination - 10 Marks**
- **Others (Any one) - 10 Marks**
    - **Group Discussion**
    - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
    - **Debate**

अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी -

- विद्यार्थी को साहित्य और सिनेमा के सम्बन्धों से अवगत कराना ।
- साहित्य और सिनेमा की ताकत से परिचय कराना । विद्यार्थी को हिन्दी सिनेमा के इतिहास से परिचय कराना ।
- हिन्दी के साथ असमीया सिनेमा का परिचय कराना ।

सहायक ग्रंथ :

1. सिनेमा और हिन्दी सिनेमा : अरुण कुमार, राजस्थान पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस। प्रा.लि., जयपुर ।

2. सिनेमा पढ़ने के तरीके : विष्णु खरे, प्रवीण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. भारतीय सिनेमा का अन्तःकरण :विनोद दास, मेधा बुक्स, दिल्ली ।
4. भारतीय सिनेमा सामज के आईने में, श्याम सुन्दर चौधरी, समय प्रकाशन, दिल्ली ।

****

SEMESTER – III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्च)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – SEC – 3 (CREDIT – 3) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 80 + **IA –** 20)

Title of the Course : अनुवाद कौशल
Course Code : **SECHIN**3
Nature of the Course : **Skill Enhancement Course**
Total Credits : **3**
Distribution of Marks : **80 (End Sem) + 20 (In-Sem)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य **:**

आधुनिक युग में मानव की सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक जरूरत के साथ-साथ कार्यालयीन कामकाज की आवश्यक शर्त बन गया है । अतः अनुवाद की प्रविधि एवं प्रयोग की विस्तृत चर्चा आवश्यक है । आज के वैज्ञानिक युग में अनुवाद का प्रयोजन संकुचित धरातल से हटकर बहुआयामी परिप्रेक्ष्य में उजागर हो रहा है । आधुनिक युग में जहाँ ज्ञान-विज्ञान के नए-नए क्षेत्र खुल रहे हैं, कम्प्यूटर तकनालॉजी की होड़ सी लग रही है, वहाँ अनुवाद की महत्ता भी स्वयं सिद्ध होने लगी है । ऐसे में विद्यार्थियों को अनुवाद प्रविधि एवं प्रयोग के बारे में ज्ञानार्जित करना प्रायः अनिवार्य बन गया है । इस बात को ध्यान में रखकर इस पत्र को पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है ।

इकाई	विषय सूची	**L**	**T**	**P**	**Total Hours**
1 (20 Marks)	▸ अनुवाद का अर्थ, स्वरूप और क्षेत्र ▸ अनुवाद के प्रकार (साहित्यिक और साहित्येतर अनुवाद)	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (20 Marks)	▸ अनुवाद की प्रयोजनीयता ▸ अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रविधि	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (20 Marks)	▸ भाषा शिक्षण और अनुवाद ▸ अनुवाद में त्रुटियाँ, पुनरीक्षण, अनुवाद का मूल्यायन	**10**	**01**	**-**	**11**
4 (20 Marks)	परियोजना (**Project)** ▸ साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुवाद : हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी	**-**	**01**	**10**	**11**
	Total	**30**	**4**	**10**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (20 Marks)

- **One Internal Examination - 10 Marks**
- **Others (Any one) - 10 Marks**
    - **Group Discussion**
    - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
    - **Debate**

अधिगम परिणाम :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी -

- अनुवाद की प्रयोजनीयता और प्रक्रिया की समझ विकसित होगी ।
- अच्छे अनुवादक बनने की इच्छा जागृत हो सकेगी ।

सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त और प्रयोग : डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशा, नयी दिल्ली ।
3. अनुवाद कला सिद्धान्त और प्रयोग : डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया,
4. प्रारम्भिक अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त और प्रयोग : अवधेश मोहन गुप्त, विक्रांत पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
5. अनुवाद भाषाएँ- समस्याएँ : एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, ज्ञान गंगा प्रकाशन, दिल्ली ।

****